भारत का पहला एल्युमीनियम फ्रेट रेक

हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर भारत के **पहले एलुमिनियम फ्रेट रेक-61 BOBRNALHSM1** का उद्घाटन कयिा।

//

एल्युमीनियम फ्रेट रेक का महत्त्व:

- **मेक इन इंडिया कार्यक्रम में सुधार: यह** [मेक इन इंडिया कार्यक्रम](#) के लयि एक समर्पति प्रयास है क्योंकि इसे **RDSO, HINDALCO और बेस्को वैगन के सहयोग से पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और वकिसति कयिा गया है।**
- **कार्बन फुटप्रटि में कमी लाना:** यह खाली रहने की दशा में ईंधन का कम उपयोग करके और भरी हुई स्थिति में अधकि माल ढुलाई करके **कार्बन फुटप्रटि को कम करेगा।** यह एल्युमिनियिम रेक **अपने पूरे सेवा काल में करीब 14,500 टन कम कार्बन उत्सर्जन करेगा।**
    - अनुमान के अनुसार, एक वर्ष में लगभग **15 मलियिन टन कार्बन उत्सर्जन को रोका जा सकता है** , भले ही केंद्र सरकार द्वारा पेश कयि जाने वाले 2 लाख रेलवे वैगनों (Wagons) में से केवल 5% एल्यूमीनियम नर्मिति हों।
- **आयात में कमी:** लोहा उद्योग नकिल और कैडमयिम की बहुत अधकि खपत करता है जो आयात से आता है। इसलयि **एल्युमीनियम वैगनों के प्रसार के परणिामस्वरूप कम आयात होगा।** साथ ही यह स्थानीय एल्युमीनियम उद्योग के लयि अच्छा है।
- **कम ऊर्जा की खपत:** नए एल्युमीनियम रेक कथति तौर पर मौजूदा स्टील रेक की तुलना में 180 टन हल्के हैं। नए डिज़ाइन की **वहन क्षमता उनके**

स्टील समकक्षों की तुलना में 5% -10% अधकि बताई गई है। इससे भी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि वे रोलगि स्टॉक और रेल के अपेक्षाकृत नगण्य वयिर एंड टअिर के साथ कम ऊर्जा की खपत करते हैं।

- **नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जक:** यह भारतीय रेलवे को 2030 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन हासलि करने में मदद करेगा और दुनयिा का सबसे बड़ा हरति रेलवे बन जाएगा।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-first-aluminum-freight-rake